भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 716

26 जुलाई, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

औषधीय पौधों के संबंध में अनुसंधान

716. डॉ.जयंत कुमार राय:
श्री माथेश्वरन वी. एस.:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने उत्तर पश्चिम बंगाल सहित देश में औषधीय पौधों पर अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए कोई अनुसंधान केन्द्र स्थापित किए हैं/स्थापित करने का विचार है;

(ख) यदि हां,तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है और औषधीय पौधों से संबंधित चालू परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने तमिलनाडु के नामाक्कल जिले के कोल्ली हिल्स क्षेत्र में औषधीय पौधों की उपलब्धता के संबंध में कोई सर्वेक्षण किया है और यदि हां,तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;और

(घ) क्या सरकार की तमिलनाडु के नामाक्कल जिले के कोल्ली हिल्स क्षेत्र में औषधीय पौधों पर आधारित हर्बेरियम और संग्रहालय स्थापित करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख)**:** जी हाँ, वर्तमान में, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत विभिन्न अनुसंधान संस्थान/केंद्र/विभिन्न अनुसंधान परिषदों की इकाइयाँ नामत: केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम), केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच), केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस), पूर्वोत्तर आयुर्वेद एवं लोक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (एनईआईएएफएमआर) और राष्ट्रीय सोवा रिग्पा संस्थान (एनआईएसआर) स्थापित किए गए हैं और देश भर में औषधीय पादपों के अनुसंधान के क्षेत्र में कार्यरत हैं। संस्थानों/केंद्रों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण **संलग्नक-I**पर दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, आयुष मंत्रालय के तहत विभिन्न राष्ट्रीय संस्थान जैसे अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली; राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), जयपुर; राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान (एनआईयूएम), बैंगलोर; राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान (एनआईएस), चेन्नई; आयुर्वेद शिक्षण और अनुसंधान संस्थान, (आईटीआरए), राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई), जामनगर और उत्तर पूर्वी आयुर्वेद और होम्योपैथी संस्थान (एनईआईएएच), शिलांग शीर्ष संस्थान हैं, जो देश भर में चिकित्सा पद्धतियों से संबंधित औषधीय पादपों की शैक्षणिक अनुसंधान गतिविधियां करने में भी शामिल हैं।

इसके साथ ही, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) अपनी घटक प्रयोगशालाओं सहित देश भर में अपनी विभिन्न प्रयोगशालाओं/केंद्रों के माध्यम से औषधीय पादपों के अनुसंधान पर कार्य करने वाला एक अग्रणी संगठन है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण **संलग्नक-II**पर दिए गए हैं।

इसके अतिरिक्त**,** भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर)**,** अपने राष्ट्रीय पारंपरिक चिकित्सा संस्थान (एनआईटीएम)**,** बेलगावी**,** कर्नाटक के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा पर अनुसंधान करती है**;** यह संस्थान विभिन्न चयनित औषधीय पादपों के दस्तावेज़ीकरण और सत्यापन (इन सिलिको**,** इन विट्रो**,** इन विवो और नैदानिक मूल्यांकन) पर कार्य कर रहा है।

इसके साथ-साथ, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अंतर्गत, औषधीय और सुगंधित पादप अनुसंधान निदेशालय (डीएमएपीआर), आणंद, गुजरात, औषधीय पादपों पर मूलभूत, व्यावहारिक और अनुकूलक अनुसंधान करता है।

देश भर में, उत्तर पश्चिम बंगाल सहित आयुष मंत्रालय और अन्य मंत्रालयों के विभिन्न अनुसंधान परिषदों में औषधीय पादपों से संबंधित चल रही परियोजनाओं का विवरण **संलग्नक-III**पर संलग्न है।

इसके साथ ही, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय, 'औषधीय पादपों के संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन' पर अपनी केंद्रीय क्षेत्रीय योजना (सीएसएस) के अंतर्गत, देश भर में सरकारी के साथ-साथ निजी विश्वविद्यालयों/अनुसंधान संस्थाओं/संगठनों को औषधीय पादपों के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान गतिविधियां करने के लिए परियोजना-आधारित वित्तीय सहायता प्रदान करता है। उत्तर पश्चिम बंगाल सहित पूरे देश में चल रही परियोजनाओं का विवरण **संलग्नक-IV** पर संलग्न है।

(ग): जी हां, आयुष मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम) और केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस) ने तमिलनाडु के नमक्कल जिले के कोल्ली पहाड़ी क्षेत्र में औषधीय पादपों की उपलब्धता के संबंध में विभिन्न सर्वेक्षण किए हैं| नमक्कल जिले के कोल्ली पहाड़ी क्षेत्र में सर्वेक्षण किए गए क्षेत्र का विवरण **संलग्नक-V**पर संलग्न है।

(घ): जी नहीं, हालांकि वर्तमान में, एनएमपीबी, आयुष मंत्रालय ने एक अग्रणी संस्थान के रूप में राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान (एनआईएस) चेन्नई के साथ-साथ अन्य दो सहयोगी संस्थान के रूप में केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस) के सिद्ध केंद्रीय अनुसंधान संस्थान (एससीआरआई) और क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आरआरआईयूएम), चेन्नई को केंद्रीयक्षेत्रीययोजना के अंतर्गत एएसयू और एच चिकित्सा पद्धतियों में उपयोग की जाने वाली अपरिष्कृत औषधियों के संबंध में क्षेत्रीय अपरिष्कृत औषधि भंडार (आरआरडीआर-दक्षिणी पठार क्षेत्र) को सहयोग प्रदान किया है। यह भंडार देश के दक्षिणी भाग में उपलब्ध अपरिष्कृत औषधियों के लिए वन-स्टॉप लाइब्रेरी और अपरिष्कृत औषधियों को प्रमाणित करने के लिए एक मान्यता प्राप्त संदर्भ पुस्तकालय (हर्बेरियम, अपरिष्कृत औषधि संग्रहालय आदि) के रूप में कार्य करेगा।

*****

संलग्नक-।

क. औषधीय पादपों के अनुसंधान में शामिल केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के अंतर्गत अनुसंधान संस्थान/केंद्र/इकाई का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण:

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	संस्थान/केंद्र का नाम
1.	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर
2.	अरुणाचल प्रदेश	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, ईटानगर
3.	असम	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी
4.	हिमाचल प्रदेश	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, मंडी
5.	जम्मू-कश्मीर	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, जम्मू
6.	कर्नाटक	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु
7.	केरल	पंचकर्म अनुसंधान संस्थान, चेरुथुरूथी
		क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम
8.	मध्य प्रदेश	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, ग्वालियर
9.	महाराष्ट्र	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पुणे
10.	नागालैंड	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र, दीमापुर, नागालैंड
11.	पंजाब	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पटियाला
12.	राजस्थान	एम.एस. क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, जयपुर
13.	सिक्किम	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गंगटोक
14.	तमिलनाडु	कैप्टन श्रीनिवास मूर्ति केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, चेन्नई।
15.	तेलंगाना	राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत केंद्र, हैदराबाद
16.	उत्तर प्रदेश	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, झांसी
17.	उत्तराखंड	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, रानीखेत
18.	पश्चिम बंगाल	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, कोलकाता

ख. औषधीय पादपों के अनुसंधान में शामिल केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम) के अंतर्गत अनुसंधान संस्थान/केंद्र/इकाई का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण:

क्र.सं.	राज्यसंघ राज्य क्षेत्र/	संस्थान का नाम और पता
1.	जम्मू -कश्मीर (यूटी)	क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, श्रीनगर
2.	ओडिशा	क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, भद्रक
3.	तमिलनाडु	क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई
4.	तेलंगाना	राष्ट्रीय त्वचा विकार यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद
5.	उत्तर प्रदेश	क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, अलीगढ़
6.	पश्चिम बंगाल	क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हावड़ा

ग. औषधीय पादपों के अनुसंधान में शामिल केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) के अंतर्गत अनुसंधान संस्थान/केंद्र/इकाई का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण:

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	संस्थान का नाम
1.	तमिलनाडु	होम्योपैथी में औषधीय पादप अनुसंधान केंद्र, ऊटी
2.	पश्चिम बंगाल	डॉ. अंजलि चटर्जी क्षेत्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान, कोलकाता
3.	उत्तर प्रदेश	डॉ. डीपी रस्तोगी केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान, नोएडा

घ. औषधीय पादपों के अनुसंधान में शामिल केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस) के अंतर्गत अनुसंधान संस्थान/केंद्र/इकाई का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण:

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	संस्थान का नाम
1.	तमिलनाडु	1. मेट्टूर बांध(एसएमपीजी) सेलम में सिद्ध औषधीय पादप उद्यान ,
		2. सिद्ध केन्द्रीय अनुसंधान संस्थानचेन्नई ,
2.	केरल	3. सिद्ध क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थानतिरुवनंतपुरम ,

ङ. औषधीय पादपों के अनुसंधान में शामिल आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत स्वायत्त राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण:

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	संस्थान का नाम
1.	अरुणाचल प्रदेश	पूर्वोत्तर आयुर्वेद एवं लोक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (एनईआईएएफएमआर), पासीघाट
2.	लद्दाख	राष्ट्रीय सोवा रिग्पा संस्थान (एनआईएसआर), लेह

संलग्नक- II

क. औषधीय पादपों के अनुसंधान में शामिल वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के अंतर्गत अनुसंधान संस्थान/केंद्र/इकाई का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण:

क्र.सं.	**राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र**	**संस्थान का नाम**
1.	असम	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) - पूर्वोत्तर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (एनईआईएसटी), जोरहाट
2.	हिमाचल प्रदेश	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)-हिमालयी जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएचबीटी), पालमपुर
3.	जम्मू-कश्मीर	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)-भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान (आईआईआईएम), जम्मू
4.	उत्तर प्रदेश	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)-केन्द्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीआईएमएपी), लखनऊ
5.	आंध्र प्रदेश	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)-केन्द्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीआईएमएपी) अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद
6.	कर्नाटक	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)-केन्द्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीआईएमएपी) अनुसंधान केन्द्र, बेंगलुरू
7.	उत्तराखंड	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)-केन्द्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीआईएमएपी) अनुसंधान केन्द्र, पंतनगर और पुरारा

संलग्नक-III

क. आयुष मंत्रालय,भारत सरकार के केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के अंतर्गत परिधीय संस्थान में पूरे देश में उत्तर पश्चिम बंगाल सहित औषधीय पादपों के अनुसंधान से संबंधित चल रही परियोजनाओं का विवरण:

क्र सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	चल रही परियोजना का नाम
1.	पश्चिम बंगाल	1. सीएआरआईकोलकाता में कुछ महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक पादपों के चयनित मार्करों , के साथ अर्क के संवर्धन के लिए निष्कर्षण प्रक्रिया का अनुकूलन। 2. आरएआरआईकोलकाता में चयनित भारतीय औषधीय ,जम्मू और सीएआरआई , फूलों की फार्माकोग्नॉस्टिकल और रासायनिक प्रोफाइलिंग। 3. सीएआरआई1970 कोलकाता में ,-तक एकत्रित 2000 की गई हर्बेरियम शीट का डिजिटलीकरण और अनुक्रमणकोलकाता ,सीएआरआई ,। 4. आमतौर पर मिलावटी आयुर्वेदिक औषधियों और मिलावट करने वाले पदार्थों का तुलनात्मक फार्माकोग्नॉस्टिकल और फाइटोकेमिकल मानकीकरण,सीएआरआईकोलकाता। , 5. भारत के विभिन्न क्षेत्रों से एकत्रित स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं में प्रयुक्त चयनित अतिरिक्त-फार्माकोपियल औषधियों अनुक्त द्रव)्यके गुणवत्ता (,मानकों का विकास सीएआरआईकोलकाता। ,
2.	उत्तर प्रदेश	1. मेडिको एथनो बॉटनिकल सर्वे (एमईबीएस), सीएआरआईझाँसी से सर्वेक्षण , अनुसंधान परिणाम का संकलन 2. आरएआरआईझांसी के औषधीय पादप उद्यान से ,सीएआरआई ,जेएनयू ,पुणे , चयनित आयुर्वेदिक औषधीय पादप प्रजातियों का पादप विविधता डेटाबेस। 3. डीएनए बारकोडिंग के माध्यम से महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक औषधीय पादपोंका लक्षण वर्णन। सीएआरआई झाँसीनई दिल्ली। ,सीएआरआई , 4. फार्माकोग्नॉस्टिक और फाइटोकेमिकल मापदंडों का उपयोग करके व्यापार में आयुर्वेद पौधों के कच्चे माल के लिए मिलावटविकल्पों की पहचान। / लखनऊ। ,झाँसी और एनबीआरआई ,सीएआरआई 5. आयुर्वेद में प्रयुक्त हाइड्रोपोनिक और खेत में उगाए जाने वाले औषधीय पादपोंपर एक तुलनात्मक अध्ययन। सीएआरआई.यू.एच.झाँसी और बी ,, वाराणसी।
3.	महाराष्ट्र	1. भारत के विभिन्न क्षेत्रों से एकत्रित स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं में प्रयुक्त चयनित अतिरिक्त-फार्माकोपियलके गुणवत्ता मानकों का (अनुक्त द्रव्य) पुणे। ,विकास। आरएआरआई 2. आरएआरआई पुणे में चयनित ,मितव्ययी महत्वपूर्ण औषधीय पादपोंकी बड़े पैमाने पर खेती। 3. शालपर्णी और पृश्निपर्णी की वृद्धि फाइटोकेमिकल सामग्री और ,उपज , फार्माकोलॉजीकल गतिविधियों पर वेसिकुलर आर्बुस्कुलर माइकोराइजा (वीएएम) पुणे। ,के प्रभाव की जांच करना। आरएआरआई 4. आयुर्वेदिक फार्मूलों में प्रयुक्त होने वाले एक संवेदनशील औषधीय पादपों

		हाइडनोकार्पस पेंटेंड्रस ,ओकेन (.हैम-.बुच) के संरक्षण के लिए इन विट्रो प्रसार प्रोटोकॉल की स्थापनापुणे। ,आरएआरआई , 5. आयुर्वेद में प्रयुक्त पादपों का छविआधारित टैक्सोनॉमिकल वर्गीकरण डेटाबेस - पुणे। ,विकसित करना। आरएआरआई
4.	तमिलनाडु	1. तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले के थांडाराई की इरुला जनजातियों से एकत्रित चयनित अतिरिक्त फार्माकोपियल-औषधियों के लिए गुणवत्ता मानकों का विकास करना। 2. सीसीआरएएसचेन्नई की अनिवार्य औषधि परीक्षण ,सीएसएमसीएआरआई , प्रयोगशालाओं में भारत के आयुर्वेदिक फार्मूलरियोंं में दिखने वाले औषधीय पादपोंके लिए प्रामाणिक आयुर्वेदिक कच्ची औषधियों और हर्बेरियम का विकास और डिजिटलीकरण। 3. भारत के विभिन्न क्षेत्रों से एकत्रित स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं में प्रयुक्त चयनित अतिरिक्त फार्माकोपियल)*अनुक्त द्रव्य* (औषधियों के गुणवत्ता मानकों का विकास। सीएसएमसीएआरआईचेन्नई। ,
5.	अरुणाचल प्रदेश	1. अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे और लोअर सुबनसिरी जिले के स्थानीय बाजार में वाणिज्यिकृत जंगली खाद्य और औषधीय पादपोंका दस्तावेजीकरण। आरएआरआई ईटानगर।
6.	उत्तराखंड	1. मेडिको(एमईबीएस) एथनो बॉटनिकल सर्वे-, आरएआरआई ,रानीखेत (उत्तराखंड) से सर्वेक्षण अनुसंधान परिणामों का संकलन। 2. आरएआरआई रानीखेत में चयनित ,मितव्ययी से महत्वपूर्ण औषधीय पादपोंकी बड़े पैमाने पर खेती।
7.	हिमाचल प्रदेश	1. हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले में स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं और जातीयऔषधि प्रथाओं का- दस्तावेजीकरण और सत्यापन। आरएआरआईमंडी। ,
8.	मध्य प्रदेश	1. भारत के विभिन्न क्षेत्रों से एकत्रित स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं में प्रयुक्त चयनित अतिरिक्तके गुणवत्ता मानकों (अनुक्त द्रव्यों) फार्माकोपियल औषधियों-ग्वालियर। ,का विकास। आरएआरआई 2. आयुर्वेदिक फार्माकोपिया ऑफ इंडिया भाग-I-खंड ,IV के लिए मैक्रोस्कोपिक और माइक्रोस्कोपिक एटलस तैयार करना। आरएआरआईग्वालियर। , 3. आयुर्वेद के चयनित औषधीय पादपोंके उपयोगी भागों के लिए गुणवत्ता मानकों का विकास। आरएआरआईग्वालियर। ,
9.	सिक्किम	1. पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के वन क्षेत्रों में मेडिको एथनो बोटैनिकल सर्वेक्षणगंगटोक ,। आरएआरआई”
10.	तेलंगाना	2. भारत में स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं और जातीय औषधीय (एलएचटीएस) विशिष्टता स्थापित करने के लिए - की व्यापक सूची (ईएमपीएस) प्रथाओं आयुर्वेदिक और जातीय औषधीय साहित्य के माध्यम से सत्यापन। एनआईआईएमएचहैदराबाद। ,
11.	जम्मू	1. जम्मू और कश्मीर के राजौरी जिले के सुंदरबनी ब्लॉक में स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं और जातीय औषधीय प्रथाओं का दस्तावेजीकरण और सत्यापन। आरएआरआई जम्मू ,

12.	नई दिल्ली	1. सीसीआरएएस मुख्यालयनई दिल्ली में आयुर्वेद में प्रयुक्त चयनित औषधीय , पादपोंपर सीसीआरएएस केफार्माकोग्नोसटिकल अनुसंधान परिणामों का संकलन।
13.	कर्नाटक	1. चयनित आयुर्वेदिक औषधीय पादपोंके क्षेत्र और उनकी हाइड्रोपोनिक खेती का तुलनात्मक मूल्यांकन। सीएआरआई बेंगलुरु ,और आईआईएचआरबेंगलुरु। , 2. आयुर्वेद में प्रयुक्त पंचवल्कल-05 औषधीय पादपोंके जैवसक्रिय यौगिकों पर मौसमी बदलाव का अध्ययन। सीएआरआईजीकेवीके। ,बी-बेंगलुरु और यूएएस , 3. कर्नाटक के पारंपरिक खाद्य व्यंजनों का दस्तावेजीकरण और आयुर्वेद तथा पोषण संबंधी परिप्रेक्ष्य के साथ उनका सत्यापन ;विश्वविद्यालय ,टीडीयू , बेंगलुरु। ,सीएआरआई 4. आयुर्वेद नुस्खों का निर्माण और उत्पाद विकास तथा चयनित उत्पादों का पोषण संबंधी मूल्यांकनबेंगलुरु। ,सीएआरआई ;मैसूर ,सीएफटीआरआई-सीएसआईआर ,
14.	केरल	1. इपोमोआ मौरिटियाना जैक एक दुर्लभ औषधीय -पादप के इन विट्रो प्रसार और आनुवंशिक स्थिरता अध्ययन। एनएआरआईपीचेरुतुरुत्ति और एसएनजीएस , पट्टांबी। ,कॉलेज
15.	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	2. सेंट्राथेरम एंथेलमिंटिकम कुन्त्ज़े की खेती और बीज अंकुरण की स्थिति (.एल) पोर्ट ,सीआईएआरआई-आईसीएआर ;पोर्ट ब्लेयर ,का मानकीकरण। आरएआरआई ब्लेयर।

ख. केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस), चेन्नई, तमिलनाडु के परिधीय संस्थानों/इकाइयों द्वारा औषधीय पादपों से संबंधित चल रही परियोजनाओं का विवरण:

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम**	**परियोजना का शीर्षक**
1.	तमिलनाडु	प्रजनन तथा बाल स्वास्थ्य में प्रयुक्त चयनित पादपों से रासायनिक मार्कर का पृथक्करण।
2.	-यथा-	सिद्ध प्रणाली में प्रयुक्त चयनित पादपों की अकार्बनिक संरचना का विश्लेषण।
3.	-यथा-	बहुविषयी सांख्यिकीय विश्लेषण का उपयोग करके संज्ञानात्मक विकारों के लिए सिद्ध प्रणाली में प्रयुक्त हर्बल पादपों से प्रमुख घटकों की मेटाबॉलिक प्रोफाइलिंग और पहचान।
4.	-यथा-	कुछ स्थानापन्न/मिलावटकारी/विवादास्पद सिद्ध औषधीय पादपोंके लिए डीएनए आधारित मार्करों का विकास
5.	-यथा-	तमिलनाडु के अन्वेषित औषधीय पादपोंका फार्माकोग्नोसटिक अन्वेषण।
6.	-यथा-	सिद्ध चिकित्सा प्रणाली में कुछ कम अध्ययन किए गए/एक्स्ट्रा-फार्माकोपियल औषधीय पादपोंके लिए मोनोग्राफ तैयार करना।
7.	-यथा-	तमिलनाडु के धर्मपुरी जिले में औषधीय पादपोंकेपारंपरिक और सामान्य उपयोग पर सर्वेक्षण।
8.	-यथा-	'सीसा युक्त पादपों' में सीसे का गुणात्मक और मात्रात्मक विश्लेषण - सिद्ध दावे का वैज्ञानिक सत्यापन।
9.	-यथा-	चेम्बू युक्त पादपों' में चेम्बू (कॉपर) का गुणात्मक और मात्रात्मक विश्लेषण - सिद्ध दावे का वैज्ञानिक सत्यापन।

ग. जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के परिधीय संस्थानों/इकाइयों द्वारा संचालित औषधीय पादपोंसे संबंधित चल रही परियोजनाओं का विवरण:

क्र.सं.	समर्थित संस्थानों का नाम	परियोजना का शीर्षक
1.	▪ सुगंध तथा स्वाद विकास केंद्र (एफएफडीसी), कन्नौज, उ.प्र ▪ रमा देवी महिला विश्वविद्यालय, ओडिशा। ▪ शिक्षा 'ओ' अनुसंधान, भुवनेश्वर, ओडिशा।	उच्च गुणवत्ता वाले तेल उत्पादन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए अन्य सुगंधित फसलों के साथ एलीट केवड़ा (*पांडनस फैसीकुलरिस*) का प्रसार।
2.	▪ राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर) - गुवाहाटी, असम।	पूर्वोत्तर भारत के औषधीय पादपोंसे हर्बल या फाइटोफार्मास्युटिकल उत्पादों के विकास के लिए जीएमपी मान्यता प्राप्त पायलट स्केल निष्कर्षण सुविधाओं की स्थापना।
3.	▪ जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा, उत्तर प्रदेश।	घरेलू पशुओं में माइकोबैक्टीरियल संक्रमण के खिलाफ औषधीय पादपों(*मोरिंगा ऑलिगोफिएरा* और *चेनोपोडियम एल्बम*) का उपयोग करके न्यूट्रास्यूटिकल फ़ीड एडिटिव का विकास।
4.	▪ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला, ओडिशा।	ओरल कैंसर चिकित्सा विज्ञान के लिए एनएलआरपी3 इन्फ्लेमसोम सक्रियण को लक्षित करने के लिए *बकोपा मोनिएरी* से कैनोनिकल माइटोफैगी उत्प्रेरण फाइटोकेमिकल्स की स्क्रीनिंग और पहचान।
5.	▪ सीएसआईआर- केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।	क्रोनिक किडनी रोग-प्रेरित कंकाल और संवहनी जटिलताओं के उपचार के लिए *डेस्मोडियम गैंगेटिकम* की जड़ से एक मानकीकृत अंश का फाइटोफार्मास्युटिकल विकास।
6.	▪ राष्ट्रीय पशु जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना ▪ बिरला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, पिलानी, हैदराबाद, तेलंगाना	थेलेरियोसिस के विरुद्ध चिकित्सीय क्षमता वाले औषधीय पादपोंसे छोटे अणुओं का निष्कर्षण और मूल्यांकन।
7.	▪ बिरला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, पिलानी, हैदराबाद, तेलंगाना ▪ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।	कोशिका आधारित और माउस मॉडल का उपयोग करके सिज़ोफ्रेनिया के लिए न्यूरोनल रिसेप्टर्स के मॉड्यूलेशन का मूल्यांकन करने के लिए *बकोपा मोनिएरी* पर आणविक अध्ययन।
8.	▪ सीएसआईआर-केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	मधुमेह संबंधी नेफ्रोपैथी के प्रबंधन के लिए *क्रोटेलारिया जंसिया* से एक प्राकृतिक अणु (एन-012-0006) का प्रीक्लिनिकल विकास।
9.	▪ इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड वायरोलॉजी, केरल	डेंगू वायरस के खिलाफ फाइटोकेमिकल इम्युनोमोड्यूलेटर की पहचान करने के लिए फ्लोरोसेंट रिपोर्टर नॉक-इन टारगेटिंग होस्ट सेल आईएफआईटीएम जीन पर आधारित एक तेज़ और विश्वसनीय इन विट्रो स्क्रीनिंग प्लेटफॉर्म का विकास।
10.	▪ कलिंग इंस्टिट्यूट ऑफ़ डेंटल साइंसेज, कलिंग इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर	ओरल सबम्यूकोस फाइब्रोसिस के प्रबंधन के लिए पहली बार ज़िंगिबैन युक्त म्यूको-चिपकने वाला बुक्कल पैच का विकास।

	▪ स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर, ओडिशा	
11.	▪ अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश	*साराका असोका*: एक आदर्श औषधीय वृक्ष के संरक्षण और फाइटोकेमिकल लक्षण वर्णन के लिए जैव प्रौद्योगिकी चिकित्सा।
12.	▪ एसआरएम विश्वविद्यालय, कट्टनकुलथुर, चेन्नई, तमिलनाडु	इन विट्रो और इन विवो मॉडल का उपयोग करके प्राकृतिक उत्पादों विथाफेरिन ए, लिमोनोइड्स और *विथानिया सोम्नीफेरा* और *एजाडिरेक्टा इंडिका* से उनके एनालॉग्स की मधुमेह विरोधी नेफ्रोपैथी गतिविधि का मूल्यांकन।

संलग्नक-IV

पूरे देश में पश्चिम बंगाल सहित औषधीय पादपों के अनुसंधान पर औषधीय पादपों के संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन पर केंद्रीय क्षेत्रीय योजना के तहत आयुष मंत्रालय के राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) द्वारा चल रही परियोजनाओं का विवरण:

क्र.सं.	राज्य	परियोजना का शीर्षक और संगठन का विवरण
1.	असम अरुणाचल प्रदेश ईटानगर नागालैंड त्रिपुरा सिक्किम	1. स्थानीय स्वास्थ्य पद्धतियों (एलएचटी), मौखिक स्वास्थ्य पद्धतियों (ओएचटी) और जातीय औषधीय प्रथाओं (ईएमपी) का मूल्यांकन और सत्यापन: पूर्वोत्तर भारत के जातीय समुदायों के मध्य एक समावेशी अध्ययन। केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरई), गुवाहाटी, असम क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, ईटानगर,अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गंगटोक, सिक्किम क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र, दीमापुर, नागालैंड क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र, अगरतला, त्रिपुरा
		2. विपणन संबंधी आयुर्वेदिक उत्पादों में मिलावट का पता लगाने के साथ-साथ आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा में उपयोग किए जाने वाले असम के चयनित पादपों की डीएनए बारकोडिंग। जीवन विज्ञान विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम
		3. सब्जी फसलों के प्रमुख कीट नियंत्रण के निमित्त जैव मूल्यांकन, पहचान, जैव सक्रिय यौगिकों की मात्रा का निर्धारण और जातीय-औषधीय पादपों के अर्क से जैव-कीटनाशकों का विकास। असम कृषि विश्वविद्यालय, असम
		4. केम्फेरिया पार्विफ्लोरा वालाएक्स- बेकर की उच्च उपज देने वाली किस्मों का विकास, फाइटोकेमिकल विश्लेषण और जैव सक्रियता: उत्तर पूर्व भारत का एक उच्च मूल्य वाला लुप्तप्राय औषधीय पादप। सीएसआईआर- उत्तर पूर्वी विज्ञान एवं तकनीकी संस्थान, सीएसआईआर-एनईआईएसटी
2.	चंडीगढ़	5. गौण मेटाबोलाइट्स के विशेष संदर्भ में गुणात्मक और मात्रात्मक रासायनिक विश्लेषण द्वारा कुछ एमएपी के लिए उपयुक्त माइक्रॉक्लाइमैटिक स्थितियों का मूल्यांकन। आईसीएआर- भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान (आईआईएसडब्ल्यूसी), चंडीगढ़। स्नातकोत्तर चिकित्सीय शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़

3.	दिल्ली	6. डेस्मोडियम गैंगेटिकम का स्पेटीयल निशे मॉडलिंग और आनुवंशिक विविधता विश्लेषण: शिवालिक हिमालय की एक महत्वपूर्ण औषधीय प्रजाति ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टीईआरआई), टीईआरआई, दिल्ली वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड
		7. एच4आईआईईहेपेटोमा सेल लाइन में पीईपीसीकेजीन अभिव्यक्ति और ग्लूकोनियोजेनेसिस के निषेध के लिए एकेसिया कटेचू और रोडियोला इम्ब्रिकाटा का बायोएसे निर्देशित अंशीकरण। राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (गृह मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय महत्व का एक संस्थान), नई दिल्ली
4.	गुजरात	8. गुणवत्तापूर्ण अपरिष्कृत हर्बल औषधियों की स्थायी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति वाली क्षेत्र-विशिष्ट चयनित औषधीय जड़ी-बूटियों की साख आईसीएआर - औषधीय एवं सुगंधित पादप अनुसंधान निदेशालय, आनंद।
5.	हिमाचल प्रदेश	9. चूहों के स्तन कैंसर में औषधीय पादपों के सहक्रियात्मक प्रभाव पर इन विवो और इन विट्रो अध्ययन। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।
		10. केमोमेट्रिक डेटाबेस का विकास: व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण हिमालयी औषधीय पादपों के गुणवत्ता आश्वासन के लिए एक भविष्यवादी दृष्टिकोण सीएसआईआर-हिमालयन जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर।
		11. *फ्रिटिलारिया सिरोसा* जर्मप्लाज्म का संग्रहण, संरक्षण और लक्षण वर्णन। सीएसआईआर - हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर।
6.	जम्मू-कश्मीर	12. "जम्मू और कश्मीर में पूर्व-स्थिति खेती के लिए *रयूम इमोडी, ससुरिया कोस्टस, पोडोफिलम हेक्सांद्रम और एकोनिटम हेटरोफिलम* के लिए अच्छी कृषि पद्धतियों का संरक्षण, जैव-विश्लेषण और विकास। सीएसआईआर- भारतीय समेकित औषधि संस्थान, सनतनगर, श्रीनगर
		13. बकोपा मोनिएरी (एल.) में विकास और सक्रिय घटकों में सुधार के लिए माइक्रोबियल कंसोर्टिया का विकास कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर।

7.	कर्नाटक	14. कर्नाटक के अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्र में कॉफी बागान में औषधीय फसलों की इंटरक्रोपिंग भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा, बैंगलोर।
		15. बकोपा मोनिएरी में आनुवंशिक वृद्धि और कटाई के बाद का अध्ययन। भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, हेसरघट्टा, बैंगलोर।
		16. पेटेंट प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी अंतरण को अपनाकर *विथानिया सोम्नीफेरा* में गौण मेटाबोलाइट्स की कटाई से पहले और बाद की वृद्धि। पद्मश्री प्रबंधन एवं विज्ञान संस्थान, केंगेरी।
		17. पश्चिमी घाट के हसन और चिकमगलूर जिलों में औषधीय पादपों पर आधारित कॉफी बागानों की पारिस्थितिकी पुररुद्धार। काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बैंगलोर।
8.	केरल	18. आयुर्वेदिक औषधि "मुर्वा" के स्रोत पादपों के फार्माकोग्नॉस्टिकल, फाइटोकेमिकल और डीएनए बारकोडिंग द्वारा विवादास्पद औषधि (संदीग्धा द्रव्य) की आयुर्वेद अवधारणा की खोज वैद्यरत्नम आयुर्वेद कॉलेज, ओल्लूर, केरल।
		19. फाइटोकेमिकल और फार्माकोलॉजिकल मूल्यांकन द्वारा चयनित दुर्लभ औषधीय पादपों के लिए स्थानापन्न/सतत वैकल्पिक प्रजातियों या पादपों के भाग की पहचान आर्य वैद्य शाला, कोट्टक्कल, मलप्पुरम
		20. *मेसुआ फेरिया* एल. के विशेष संदर्भ में आयुर्वेद में विकल्प/मिलावटी के रूप में उपयोग किए जाने वाले चयनित औषधीय पादपों पर एक मोनोग्राफ तैयार करना: एक एकीकृत फार्माकोग्नॉस्टिक, फाइटोकेमिकल और फार्माकोलॉजिकल दृष्टिकोण जवाहरलाल नेहरू उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, पालोड, तिरुवनंतपुरम
9.	मध्य प्रदेश	21. जर्मप्लाज्म संग्रहण और जैव-आणविक लक्षण वर्णन काली हल्दी (*कर्कुमा सीज़िया* रॉक्सबी.) जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय, जबलपुर।
10.	महाराष्ट्र	22. विदर्भ क्षेत्र के कुछ औषधीय पादपों के संरक्षण के लिए औषधीय पादपों की पत्तियों के साथ जड़/छाल का प्रतिस्थापन,एक रणनीतिक विधि राष्ट्रसंत तुकादोजी महाराज नागपुर, विश्वविद्यालय, नागपुर

11.	ओडिशा	23. पिपेरिन उत्पादन के वैकल्पिक स्रोत के रूप में पाइपर लोंगम के एंडोफाइट्स की क्षमता का उपयोग करना: प्रयोगशाला उत्पादन के लिए प्रोटोकॉल का अनुकूलन और इसके कैंसर विरोधी गुणों की खोज। क्षेत्रीय पादप संसाधन केंद्र, भुवनेश्वर
		24. एलीट्स की प्रामाणिक पहचान, चयन और संरक्षण के लिए *एम्बेलिया रिब्स* ब्रूम एफ. की कीमोटाइपिंग और जीनोटाइपिंग। सेंचुरियन प्रौद्योगिकी और प्रबंधन विश्विद्यालय, भुवनेश्वर।
12.	राजस्थान	25. राजस्थान की ग्रामीण और जनजातीय जनसंख्या की जातीय-औषधीय पद्धतियों की खोज और दस्तावेज़ीकरण। ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर
13.	तमिलनाडु	26. ग्लोरीलिली में मृदा-जनित रोगज़नक़ों की समस्या को कम करने के लिए माइक्रोबियल कंसोर्टिया का विकास। तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर
		27. दक्षिणी तमिलनाडु के गैर संस्थागत रूप से प्रशिक्षित सिद्ध चिकित्सकों द्वारा वर्मम चिकित्सा विज्ञान में उपयोग की जाने वाली औषधियों का मात्रात्मक दस्तावेज़ीकरण सेंट जेवियर्स कॉलेज, पलायमकोट्टई, तिरुनेलवेली
		28. सूजन आंत्र रोग (आईबीडी) में मेजर हिस्टोकोम्पैटिबिलिटी कॉम्प्लेक्स (एमएचसी) पर फिकस फल पॉलीसेकेराइड की प्रतिक्रिया को समझना| भारथियर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर
		29. *साराका असोका* (रॉक्सब.) डी वाइल्ड के इन विट्रो और इन विवो बीज अंकुरण पर आधारित ग्रीन नैनोप्राइमिंग तकनीक; एक लुप्तप्राय औषधीय पौधा. भारथियर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर
		30. पश्चिमी घाट से सिनामोमम की छह स्थानिक और लुप्तप्राय प्रजातियों के जनसंख्या के पुनर्मूल्यांकन, प्रजनन जीव विज्ञान और उद्धार पर अध्ययन। गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), डिंडीगुल।
14.	तेलंगाना	31. आईएल-2 इम्यूनोथेरेपी के लिए बिल्वा की युवा जड़ों और पत्ती के अर्क के बायोएक्टिव घटकों का अलगाव और मूल्यांकन: इन विट्रो और इन विवो अध्ययन। हैदराबाद विश्वविद्यालय, गाचीबोवली, हैदराबाद।

15.	उत्तर प्रदेश	32. बहुउद्देशीय और औषधीय रूप से महत्वपूर्ण *ब्यूटिया मोनोस्पर्मा* लैम. का इन विट्रो पुनर्जनन और आनुवंशिक रूप से समान गुणवत्ता वाली पौधरोपण सामग्री के बड़े पैमाने पर प्रसार के लिए इसका मूल्यांकन आईसीएआर-केंद्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान (सीएएफआरआई), झाँसी।
		33. *सिडा कॉर्डिफ़ोलिया* एल. में उच्च जड़ बायोमास उपज देने वाले जीनोटाइप के लिए मॉर्फो-एनाटोमिकल और गुणवत्ता विशेषताएँ लक्षण वर्णन केंद्रीय औषधीय एवं सुगंधित पादप संस्थान (सीआईएमएपी), लखनऊ
		34. ऑस्टियोब्लास्टिक सेल लाइनों का उपयोग करके हर्बल पादपों के घटकों का अलगाव, लक्षण वर्णन और ऑस्टियोपोरोसिस को ठीक करने पर उनका प्रभाव। शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा
		35. एमडीआर *एसिनेटोबैक्टर बाउमानी* के निमित्त*वेलेरियाना वालिची* के नॉन-पोलर यौगिक का साइटोटॉक्सिक मूल्यांकन। एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
16.	उत्तराखंड	36. उत्तर-पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में इसके संरक्षण और उपयोग के लिए वितरित आरईटी औषधीय पादप *ट्रिलियम गोवनियानम* (नाग छत्री) का फाइटोकेमिकल, रूपात्मक और आणविक मूल्यांकन। वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून
		37.कीमोप्रोफाइलिंग और एंटीऑक्सीडेंट क्षमता के विश्लेषण द्वारा लिंडेरा पल्चररिमा का जैव पूर्वेक्षण वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून
		38. फील्ड जीनबैंक: कुछ संकटग्रस्त अत्यधिक ऊंचाई वाले औषधीय पादपों की प्रजातियों के संरक्षण के लिए एक सतत उपकरण। हाई एल्टीट्यूड प्लांट फिजियोलॉजी रिसर्च सेंटर (एचएपीपीआरसी), एचएनबीजीयू, श्रीनगर
17.	पश्चिम बंगाल	39. भारत के पूर्वी भाग से भारतीय ओलिबानम (*बोसवेलिया सेराटा रॉक्सब.*) की कीमोटाइपिंग, गुणवत्ता मूल्यांकन, इन विट्रो प्रसार और एक नए क्षेत्र में उनका पौधरोपण रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द सेंटेनरी कॉलेज, रहारा, कोलकाता

संलग्नक- V

क. केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम) द्वारा तमिलनाडु के नमक्कल जिले के कोल्ली हिल्स क्षेत्र में किए गए सर्वेक्षण का विवरण:

क्र.सं.	वर्ष	वन प्रभागों का नाम	वन क्षेत्र का नाम	एकत्रित एवं प्रलेखित पादपों की प्रजातियों की संख्या
1.	2012-13	नमक्कल	बैलनाडु आरएफ, अरियुर आरएफ, अरियुरकुस्बा, कुलिवलावु आरएफ, करुम्बुर आरएफ, पुराणिकाडु आरएफ, अरियुरसोलई लोवर स्लोप, पुलियानसोलई, वझावन्थिनाडु आरएफ, वलपूर्णाडु आरएफ, अझाकाडु आरएफ, सेल्लुरनाडु आरएफ, वीरागनूरपट्टी आरएफ, सेम्मेदु आरएफ, करावल्ली आरएफ, अथनूर आरएफ, पजंथिनीपट्टी आरएफ, पुथुपट्टी आरएफ, मथिमादुवु डेम आरएफ, ओथकडाई आरएफ, वायलनाडु आरएफ. पल्लीपराई आरएफ, पुथुपट्टी आरएफ, मावल आरएफ, अदुकम आरएफ, पेरुमलमलाई आरएफ, वेलिकाट्टुपट्टी आरएफ, सेराडी आरएफ, अदुकम्पाराई आरएफ. पुलियानसोलई आरएफ, एरुमैपट्टी आरएफ, नाडुकोम्बई आरएफ और करावल्ली आरएफ.	201
2.	2015-16	नमक्कल	पोडिमट्टू, विरीपारा, लेचमी, राजामलाई, पट्टीमुडी, एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान, पेरुमलकोइल, नाइकनकोम्बई, पल्लनियाप्पर कोइल, मथिमादुवु, करावल्ली, नादुकोम्बई, अरियुर, नादुकोम्बई, वज़हवंतिनाडु, करुवल्ली, बैलनाडु, पुलियानसोलई, करावल्ली अपर स्लोप्स और कोल्लीमलाई लोवर स्लोप्स.	86
3.	2020-21	नमक्कल	अरियुरशोलाई, अरियुरशोलाई क़स्बा, अरियुर्नाडु, पनामाराट्टुपट्टी, सेमेदु, करावल्ली, नाथक्कडु. मासी पेरियन्ना टेम्पल हिल्स, थाथन कोम्बई (एमपीसीए), कोल्ली हिल्स, लोवर स्लोप, सक्करायपट्टी वन क्षेत्र. पुलियानशोलाई, पेरियासामी कोइल, पसिलाईकोम्बई, कुल्लथु कोम्बाई. नाडुकोम्बई , पल्लीपराई.	156

ख. केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस) द्वारा तमिलनाडु के कोल्ली हिल्स क्षेत्र में किए गए सर्वेक्षण का विवरण:

क्र.सं.	वर्ष	इलाका	एकत्रित एवं प्रलेखित पादपों की प्रजातियों की संख्या
1.	2022	कोल्लीमलाई, चोलक्कडु (आदिवरम)	55